

आसान नहीं है भारतीय राजनीति में आडवाणी बनना

- विचारधारा और पार्टी के लिए झोंक दिया जीवन, हर परिस्थिति का किया सामना
- देश में भाजपा केंद्रित राजनीति की रखी नींव, निर्धारित लक्ष्य से कभी नहीं डिगे

लालकृष्ण आडवाणी, यह नाम सुनते ही एक ऐसे शख्स की छवि सामने आती है, जिसने महर्षि द्विष्ठि की तरह अपनी हड्डियों का दान करने में भी नहीं सोगा। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित होना वास्तव में इस उपाधि के लिए गर्व का विषय है। भारतीय राजनीति में वह तो लालकृष्ण आडवाणी होना आसान है और न ही उनकी तरह सियासी हैसियत हासिल करना। पार्टी के लिए त्याग, परिवार और भूत्याचार से दूरी को मंत्र बना कर उन्होंने रुख वर्तमान पीएम मोदी की तरह ही रहा। अपनी सात दशक की राजनीतिक यात्रा में आडवाणी हमेशा परिवारवाद, भूत्याचार से दूर रहे।

सारा जीवन झोंक दिया। जीवनपर्याप्त पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे और हमेशा खुद की जगह पार्टी को तर्जीह दी। आतंकवाद, तुषीकरण के खिलाफ उनका

आजाद सिपाही विशेष

इन्हीं गणों, नेतृत्व और संगठन क्षमता की खूबियों के सहारे आडवाणी ने असूत माली जाने वाली भाजपा को साल 2000 तक

रहे। जब भी त्याग करने का मौका आया, तो खुद पहली की। राजनीति में विचारधारा और ठोस नीति अपनाने वाले आडवाणी विरले जेता रहे हैं। अपने आडवाणी की जगह राजनीति के केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया था। राजनीति में आदर्श, शुद्धिता और इमानदारी की मिसाल बन गये आडवाणी जी अज्ञ भले ही मुख्य धारा की राजनीति से अलग हैं, लेकिन उनका मशविरा आज भी सक्रिय राजनीतिक व्यक्तियों के लिए अनिवार्य होता है। आडवाणी को 'भारत रत्न' से सम्मानित करने का फैसला एक आदर्श पुरुष का सम्मान है। लालकृष्ण आडवाणी की शब्दिसयत के विभिन्न पहलुओं को सामने ला रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष सांवाददाता राक्षण सिंह।

हुई थी।

पार्टी फर्स्ट की नीतियों पर जीवन भर चलते रहे आडवाणी

किसी भी पार्टी के लिए आडवाणी से अधिक समर्पित कार्यकर्ता मिलना असंभव जान पड़ता है। 1992 में अपने द्वारा पैदा की गयी 'राम लला' के बाबजूद, उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को नेता मान लिया। 2014 में जब आडवाणी राजनीति में सक्रिय थे, फिर भी पार्टी ने उस समय गुजरात के सीमे रहे नंदेंद्र मोदी को आगे बढ़ाया, तो पार्टी के फैसले को आडवाणी से स्वीकार कर लिया। जबकि पार्टी के इस फैसले के खिलाफ आडवाणी के दौर के ही कर्ता विदेशी करने तक पर उत्तर आये थे। लेकिन आडवाणी ने पार्टी के हर फैसले ना सिर्फ स्वीकार किया, बल्कि सिर-आंखों पर भी रखा। 2014 में जिस कालाधन के मुद्रे पर नंदेंद्र मोदी सत्ता में आये, वह 2009 में आडवाणी का मुद्दा था, हालांकि उस समय उन्हें सफलता नहीं मिली थी।

जैन हवाला कांड के बाद छोड़ दी थी सांसदी

एक तरफ जहां राजनेता अंतिम समय तक सत्ता और पद बचाने के लिए संघर्ष करते हैं, वहीं वे वही आडवाणी हैं, जिन्होंने हिस्सा नहीं लूंगा। 1996 के लोकसभा चुनाव में आडवाणी ने भाजपा के लिए जमाने के महेता की रिपोर्ट को जब विश्वनाथ आडवाणी पर लगाया, वहीं वे जब विदेशी की सांसदी से इस्तीफा दे दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि जब तक पाक-साफ नहीं हो जाऊंगा, चुनावी राजनीति में हिस्सा नहीं लूंगा। 1996 के लोकसभा चुनाव में आडवाणी ने भाजपा के लिए जमाने के महेता की रिपोर्ट को जब विश्वनाथ आडवाणी के फैसलों में विचारधारा को विरोध देखने के लिए उन्होंने लंबी-लंबी वायाएं की। उस चुनाव के बाद 13 दिनों के लिए एक बड़े खतरे के तौर पर देखा गया।



एक डायरी सामने आयी, जिसे 'जैन हवाला कांड' के नाम से जाना जाता है। उसमें कुछ बड़े नेताओं और अधिकारियों के नाम थे। एक पत्रकार ने इस मामले को लेकर सुरुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। इस डायरी में लालकृष्ण आडवाणी का भी नाम था। जब इसकी खबर आडवाणी तक पहुंची, उन्होंने तकाल अपने सांसदी से इस्तीफा दे दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि जब तक पाक-साफ नहीं हो जाऊंगा, चुनावी राजनीति में हिस्सा नहीं लूंगा। 1996 के लोकसभा चुनाव में आडवाणी ने भाजपा के लिए जमाने के महेता की रिपोर्ट को जब विश्वनाथ आडवाणी पर लगाया, वहीं वे जब विदेशी की सांसदी से इस्तीफा दे दिया। इस तरह कुछ समय पहले देश के कई राज्यों में पीएफआई पर कई

उसकर का हिस्सा भी नहीं बने। नंबर 2 की हैमियत से मूरली मनोहर जोशी ने शपथ ली थी। आडवाणी ने चुनावी को कोर्ट से बदलने विट मिल गयी। अदालत से पाक-साफ होने के बाद आडवाणी की संसदीय राजनीति में वापसी हुई।

आइडियोलॉजी + इंट्रीमेंट - आडवाणी

आडवाणी की राजनीति की खूबियत यही कि उन्होंने विचारों को जमाने पर उत्तरने के लिए काफी मेहनत की। मंडल कमीशन की रिपोर्ट को जब विश्वनाथ आडवाणी के फैसलों में विचारधारा को विरोध देखने के लिए उन्होंने लंबी-लंबी वायाएं की। उस तरह उनकी राजनीति को बड़ी स्वीकर्यता मिली।

सिमी पर प्रतिवंध लगाया

लगभग पांच साल तक देश के युवंती रहने के दौरान लालकृष्ण आडवाणी पर प्रतिवंध लगाया था। आरप्स के लिए जमाने के लिए उन्होंने संसद पर प्रतिवंध लगाया, वह जिन्होंने ने न सिर्फ संगठन पर प्रतिवंध लगाया, बल्कि उनके सदस्यों के खिलाफ देश भर में कार्रवाई भी की।

पोटा कानून के लिए संसद का बुलाया था संयुक्त सत्र

आतंकवाद के लिए जिन्होंने आपको जिन्होंने का पाकिस्तान में महिमांडण किया। लालकृष्ण आडवाणी के कदम का पहली बार भाजपा में ही भारी विरोध देखने को मिला। आरप्स के लिए नेताओं ने भी यीक्षा प्रतिवंध लगाया, वह जिन्होंने को जमाने के लिए उनकी रक्षा की तरफ उनकी राजनीति को बड़ी स्वीकर्यता मिली।

कृशल संगठनकर्ता और अदर्श राजनेता

आप वैचारिक रूप से आडवाणी के विरोधी हो सकते हैं, फिर भी भी जो बहारे लोग उनको मुनोने के लिए टिके रखते हैं। उनकी रक्षा की पूजा होती थी, उनके टोयों रक्षा की पूजा होती थी, उनको हिंदू पुनर्जन्मण का अग्रदूत माना जाता था।

नियमित जीवन शैली अपनाते हैं

आडवाणी के जीवन की सबसे बड़ी चारा राम राम से अयोध्या की चारा रही, जिसमें भी उनके साथ रथ में नंदेंद्र मोदी का साथ बराबर बना रहा। जहां उनकी रथ यात्रा के पहुंचने का समय रात्रि नौ बजे होता था, मार्ग में अत्यधिक उत्साह और थोड़े रुक्खों के बीच चढ़ाया था। आरप्स ने संसद का संयुक्त सत्र बुलाकर विवेदक पास करवाया था।

आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना स्वागतयोग्य निर्णय: सीपी सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। विवेदक सीपी सिंह ने कहा कि भारतीय राजनीति के शिखर पर रुख, वरिष्ठम नेता, प्रखर राष्ट्रवादी लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिये जाने की ओर्डर नहीं दिया जाना चाहिए। आदर्श, शुद्धिता और इमानदारी की मिसाल बन गयी है, लेकिन उनकी रक्षा की पूजा होती थी, उनको हिंदू पुनर्जन्मण का अग्रदूत माना जाता है। उनको आपको जीवन की सबसे बड़ी चारा दी गई है, जिसमें भी उनके साथ रथ में नंदेंद्र मोदी का साथ बराबर बना रहा। उनको हिंदू पुनर्जन्मण का अग्रदूत माना जाता है।

आडवाणी ने राष्ट्रीयता की भूख जगायी: धर्मदंश

रांची (आजाद सिपाही)। भारत सरकार द्वारा लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने के निर्णय का स्वागत भारतीय जननंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मदंश तिवारी ने किया। कहा कि जब उनकी राजनीति में केंद्रीय एक त्यागी पुरुष के रूप में आपको आडवाणी का सम्मान करना उनके प्रति बहुत अपेक्षित है। उनकी बेटी प्रतिभा में उनके प्राप्ति का लालकृष्ण आडवाणी के लिए बहुत अपेक्षित है। उनकी बेटी धर्मदंश तिवारी की ओर भारतीय राजनीति में एक अद्वितीय व्यक्ति है।



का उदय हुआ है। यहां की खनिज संपदा का लाभ बाहर के लोगों को मिला, लेकिन यहां के लोग जस का तस है। हेमंत ने यहां के लोगों की जिदीया सुधारने के लिए यहां मॉडल स्कूल बनाया। आदिवासी व मूलवासी के बच्चों को विदेश तक पहुंचने के लिए भेजा। ये बाहरी भाजपा वाले लोग हमेशा यात्राएं का काम

संपादकीय

तंबाकू सेवन घटा

वि श्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा आंकड़े शुभ संकेत की ओर इशारा कर रहे हैं। बताते हैं कि गत 2 दशकों के दौरान दुनिया भर में तंबाकू का सेवन घटा है। साल 2000 में हर 3 में से एक वयस्क तंबाकू का सेवन करते थे, जो 2022 में घटता-घटता 5 में से एक हो गया है। संगठन की रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया के 150 देश तंबाकू के इस्तेमाल को घटाने में कामयाब हुए हैं।

भारत भी इन खुशीकर्त्ता देशों में शामिल है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आगाह किया है कि तंबाकू से जुड़ी मौतों में फिलहाल गिरावट की युंगाइश नहीं लगती। क्वोंके 2010 से 2025 के बीच 30 फीसदी तंबाकू के इस्तेमाल में कटौती का लक्ष्य फिलहाल पूरा नहीं हो सका है। रिपोर्ट के मुताबिक तंबाकू के सेवन की लत से आज भी सालाना 80 लाख लोगों की अकाल भूत हो जाती है। इनमें 13 लाख ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो खुद तंबाकू का सेवन नहीं करते, लेकिन सिरपेट पीने वालों के आसान रहते हैं। विश्व-पूर्ण देशों में दुनिया के सभी ज्यादा 26.5 फीसदी लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। हालांकि सिंगापुर जैसे इन देशों में सख्ती का अलम यह है कि वहां उत्तरने से पहले ही हवाई जहाज में घोषणा की जाती है कि बाहर से सिरपेट, चूईंगम और नीशेल पदार्थ लाने पर सख्त रोक है। लेकिन सिंगापुर समेत इन देशों में भी सिरपेट बिकते हैं और कहीं-कहीं पीने की छूट भी है। हैं बेशक बहुत महंगे, एक पैकेट

तंबाकू के सेवन की लत से आज भी सालाना 80 लाख लोगों की अकाल भूत हो जाती है। इनमें 13 लाख ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो खुद तंबाकू का सेवन नहीं करते, लेकिन सिरपेट पीने वालों के आसान रहते हैं। विश्व-पूर्ण देशों में दुनिया के सभी ज्यादा 26.5 फीसदी लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। हालांकि सिंगापुर जैसे इन देशों में सख्ती का अलम यह है कि वहां उत्तरने से पहले ही हवाई जहाज में घोषणा की जाती है कि बाहर से सिरपेट, चूईंगम और नीशेल पदार्थ लाने पर सख्त रोक है। लेकिन सिंगापुर समेत इन देशों में भी सिरपेट बिकते हैं और कहीं-कहीं पीने की छूट भी है। हैं बेशक बहुत महंगे, एक पैकेट

करीब 1,000 रुपए से ऊपर का अंधरा। आंचित रोड जैसी पांच शार्पिं एंट्रीट्स की फुटपाथ पर जगह-जगह कुड़ेदाना और उन पर ऐसे देंगे लानी हैं। ऐसे-द्वे के इंटर-गिर्ग खड़े होकर सिरपेट पी सकते हैं। माल्स में भी सिरपेट पीना माना है। अगर कोई तय ऐसे ट्रे जगहों से परे सिरपेट पीना पकड़ा जाये, तो 1000 सिंगापुर डॉलर यानी कीरीब 65,000 रुपए जुमानी लगता है। यूरोपीय देशों भी ज्यादा पीछे नहीं हैं। यूरोप में 25.3 फीसदी तंबाकू की लत से ग्रस्त हैं। उम्मीद जाती जा रही है कि 2030 आते-आते यूरोप में तंबाकू सेवन की लत की शिकायत आवादी की तादाद गिर कर 23 फीसदी रह जायेगी, और एशिया के देशों में 20 फीसदी पूर्वुच सकती है। साल दर साल धीरे-धीरे तंबाकू सेवन करने वालों की तादाद घटते-घटते अगले साल 2025 तक 25 फीसदी तक गिरने की प्रबल संभावना है, जबकि 2010 में अगले 15 वर्षों के लिए गिरावट का लक्ष्य 30 फीसदी तय किया गया था। केवल 56 देश इस लक्ष्य की बाहिर से रहते हैं। अगले देश के वैशिक वयस्क तंबाकू सर्वे के आंकड़ों से भी जाहिर होता है कि 2009-10 के मुकाबले 2016-17 में धूम-धूत तंबाकू सम्पादी के उत्तरांग में 4.5 फीसदी की गिरावट आयी है। यह खपत 25.9 फीसदी से घट कर 21.4 फीसदी हो गई है, जबकि धूमपान की लत में 3.3 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। यानी 14.0 फीसदी गिर कर 10.7 फीसदी पर आ गई है। धूमपान में गिरावट इसलिए आयी है, क्योंकि लोग सेहत के खतरों की बाबत चेतावनियों पर तबज्जों देने लगे हैं।

अभिमत आजाद सिपाही

1963 ई. में जब झारखंड पार्टी का कांगड़े में विलाय हुआ, तब लाल रणविजय नाथ शहदेव ने दिल्ली में पांडित जवाहर लाल नेहरू के समक्ष विरोध किया था। उनके नेतृत्व में 21 जलाई 1963 ई. में बहुजात ने विशाल सभा आयोजित की गयी। इस सभा में झारखंड पार्टी को बनाये रखने का निर्णय लिया गया। लाल रणविजय नाथ शहदेव के नेतृत्व में 27, 28 एवं 29 सितंबर 1963 को वीरमित्रपुर में विशाल जुलूस निकाला गया। अलग राज्य के लिए आंदोलन करने के कारण उन्हें 3 जून 1968 ई. में जेल में जाना गया।

बजट- राजकोषीय अनुशासन के साथ कल्याण



पीयूष गोयल

इस वर्ष के बजट प्रस्ताव, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास के दृष्टिकोण तथा गरीब, युवा, अनन्दाता और नरी पर विशेष जोर के साथ, 2047 तक एक विकसित देश बनने की दिशा में भारत की यात्रा को गति प्रदान करेंगे। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन की सराहना की जानी चाहिए और उन्हें बधाई दी जानी चाहिए।

लोहरदगा/लातेहार

महिला का शव कुआं से बरामद

आजाद सिपाही संचाददाता



बारियातू। थाना क्षेत्र के शिवला पंचायत अंतर्गत भाटचतरा ग्राम में कुआं से पुलिस ने रविवार सुबह एक महिला की शव को बरामद किया। महिला की पहचान निवासी कारा भूद्यां की पत्नी मालो देवी के रूप में की गयी। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका महिला मालो देवी शनिवार शाम अपने सुसुराल सिवला से अपने मां शांति मासोमात के साथ अपने माइके भाटचतरा आवी थी। शनिवार को पति कारा भूद्यां, मां शांति मासोमात व मृत हुई महिला मालो देवी साताहिं बाजार भाटचतरा गये थे। बाजार से सास और दामाद दोनों घर चले गये। मालो देवी घर नहीं पहुंची सुबह आसपास के ग्रामीण ने भाटचतरा निवासी महेश यादव के घर के सामने कुआं में महिला की शव तैरता हुआ देखा।

उक्त घटना की जानकारी बारियातू थाना को दी गयी। घटना की सूचना मिलते ही एसएसआइ

राजकिशोर प्रसाद सदलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे, और शव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया। इधर कई ग्रामीणों को कहना है की तीनों बाजार के शव के नशे में धूत थे। घटना कैसे हुई बाजार का डाक लिया गया है। इनी को लेकर वह प्रत्येक दिन की तरह अपने घर से 500 मीटर दूर रांची-लोहरदगा सुख पथ में कुड़ी बिजली आफिस

लोहरदगा में पूर्व पंचायत समिति सदस्य संतोष मांझी की गोली मारकर हत्या

आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

आजाद सिपाही संचाददाता



लोहरदगा। कुड़ी थाना क्षेत्र के कुड़ी बाजार बिजली आफिस के पास अज्ञात अपराधियों ने कुड़ी पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य संतोष मांझी उर्फ मंगल की गोली मारकर हत्या की। संतोष को चाह गोली मारी गयी है। संतोष को कुड़ी पंचायत की पति भी है।

घटना की सूचना मिलने के साथ ही कुड़ी थाना पुलिस मामले की जांच और आगे वकी की कार्रवाई में जुट गयी है। बाजार जाता है कि बाजार के बाद अकरतफरी में संतोष मांझी ने चुंगी वसूली को लेकर कुड़ी बाजार का डाक लिया हुआ है। इनी को लेकर वह प्रत्येक दिन की तरह अपने घर से 500 मीटर दूर रांची-लोहरदगा स्थल पथ में कुड़ी बिजली आफिस

गेट के समीप चुंगी वसूली के लिए बैठे हुए थे। तभी कुड़ी बाजार के अंदर उहाँने संतोष को सीने में तीन गोली और एक गोली सिर में मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी आगम से फरार हो गये।

इधर कुड़ी में संतोष को गोली मारने की सूचना जैसे ही मिली आक्रोशित लोगों ने कुड़ी मुख्यालय में कई स्थानों पर सड़क जाम का दिया। सेकड़ों बाहन जाम में फेंसे हुए हैं। पुलिस और अधिकारियों द्वारा लोगों को समझाने का प्रयास किया गया। कुछ लोगों ने थाना पर प्रदर्शन कर गये। जहां पर संतोष को मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद स्वजन संतोष को लेकर रांची जा रहे थे। मांडर में स्थित अस्पताल में भी चिकित्सकों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया।

बात करने के आग्रह पर माने। बाद में बस रेंडर पहुंचे बीड़ीओं प्रवेश कुमार साव ने मृतक के परिजनों को नवनिर्मित दुकान में एक दुकान देने और पत्नी को आटोसोसिंग में नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया। लॉकिन कुड़ी लोग वारी पदाधिकारियों को बस स्टैंड पुलाक बात करने की जिद पर अड़ गये। जिसके बाद एसटीओं अमित कुमार, एसटीओं श्रद्धा केरकेट्टा ने परिजनों से बात की तब सभी माने करीब 4 बजे जाम खुला।

नवपदस्थापित एसटीओ आशुतोष कुमार सत्यम ने बालूमाथ स्थित कार्यालय पहचान अपना पदभार संभाला।



बालूमाथ (आजाद सिपाही)। बालूमाथ-पुलिस अनुमंडल के आठवे पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में नवपदस्थापित एसटीओ आशुतोष कुमार सत्यम ने बालूमाथ स्थित कार्यालय पहचान अपना पदभार संभाला। इसके पार उहाँने अपनी प्राथमिकता में कहा कि बालूमाथ के हर नामांक सुरक्षित माहौल में रह रहे थे और उन्होंने इसकी प्रयास की जायेगी। बालूमाथ पुलिस अनुमंडल क्षेत्र को अपराध मुक्त रखा जायेगा। बताते चले कि बालूमाथ पुलिस अनुमंडल को बार महीने के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मिला है। इससे पूर्व बारवाडीह के डीएसपी दिल्लू लोहर भारी धमेंद्र कुमार महीने के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थे। बालूमाथ के पूर्व एसटीओ अजीत कुमार सिंह भारतीय पुलिस संघ में निरीक्षण द्वारा रेंजन कुमार, थाना प्रभारी धमेंद्र कुमार महीने सहित एसटीओ कार्यालय के कई लोग मौजूद रहे।

कौम और मासरे को हमेशा इल्म से जोड़े रखें : हाजी मो. अफसर कुरैशी



लोहरदगा (आजाद सिपाही)। हजरत बाबा दुखन शाह के 99वीं सालाना उर्स के मोके पर दिवार को जामा भरिजद में नातिया व केरत का इनामी मुकाबले आयोजित हुआ। इस इनामी मुकाबले कार्यक्रम की अधिकारी अनुमंडल इलामिया के सदर हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी व सचालन मीली अबुल कलाम तीनी ने की। आयोजित नातिया व केरत का इनामी मुकाबले में विभिन्न मदरसों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। केरत व नातिया मुकाबले में मदरसा बाबा दुखन शाह को पहला व द्वितीय और हिराई को तीसरा स्थान मिला। केरत व नातिया मुकाबले में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सदर हाजी मो. अफसर कुरैशी और नजिम हाफिज शफिकुर्रहमन, हाफिज व कारी मो. रहान रजा अशरफी, हाफिज शाहिद फिराई और ज़िज़द सेकेटरी हसनैन अली के जरिए इनाम और सौगात दिए गए। इस अवसर पर सदर हाजी मो. अफसर कुरैशी ने सभी प्रतिभागियों को मुशारकाबाद देते हुए कहा कि खुद तो बेहतर इल्म हासिल कीजिए ही, अपने कौम और मासरे को हमेशा इल्म से जोड़े रखें। यही वक्त की मांग है। मोके पर मो. एस्सल रजा, मो. तालीम रजा, मो. तनवीर अलाम, मो. हसन रजा अशरफी, मो. मोइदुर्रहमन, मदरसा के नाजिम हाफिज शफिकुर्रहमन, हाफिज व कारी मो. रहान रजा अशरफी, हाफिज शाहिद फिराई आदि मौजूद थे।

सिद्धिविनायक हनुमान मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 9 से

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। शहर के पुराना शुक्रबाजार अजय पार्क के नातिया व केरत का इनामी मुकाबले आयोजित हुआ। इस इनामी मुकाबले कार्यक्रम की अधिकारी अनुमंडल इलामिया के सदर हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी व भारतीय पुलिस पदाधिकारियों को नवनिर्मित दुकान में एक दुकान देने और पत्नी को आटोसोसिंग में नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया। लॉकिन कुड़ी लोग वारी पदाधिकारियों को बस स्टैंड पुलाक बात करने की जिद पर अड़ गये। जिसके बाद एसटीओं अमित कुमार, एसटीओं श्रद्धा केरकेट्टा ने परिजनों से बात की तब सभी माने करीब 4 बजे जाम खुला।

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। हजरत बाबा दुखन शाह के 99वीं सालाना उर्स के मोके पर दिवार को जामा भरिजद में नातिया व केरत का इनामी मुकाबले आयोजित हुआ। इस इनामी मुकाबले कार्यक्रम की अधिकारी अनुमंडल इलामिया के सदर हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी व भारतीय पुलिस पदाधिकारियों को नवनिर्मित दुकान में एक दुकान देने और पत्नी को आटोसोसिंग में नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया। लॉकिन कुड़ी लोग वारी पदाधिकारियों को बस स्टैंड पुलाक बात करने की जिद पर अड़ गये। जिसके बाद एसटीओं अमित कुमार, एसटीओं श्रद्धा केरकेट्टा ने परिजनों से बात की तब सभी माने करीब 4 बजे जाम खुला।

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। शहर के पुराना शुक्रबाजार अजय पार्क के नातिया व केरत का इनामी मुकाबले आयोजित हुआ। इस इनामी मुकाबले कार्यक्रम की अधिकारी अनुमंडल इलामिया के सदर हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी व भारतीय पुलिस पदाधिकारियों को नवनिर्मित दुकान में एक दुकान देने और पत्नी को आटोसोसिंग में नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया। लॉकिन कुड़ी लोग वारी पदाधिकारियों को बस स्टैंड पुलाक बात करने की जिद पर अड़ गये। जिसके बाद एसटीओं अमित कुमार, एसटीओं श्रद्धा केरकेट्टा ने परिजनों से बात की तब सभी माने करीब 4 बजे जाम खुला।

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। शहर के पुराना शुक्रबाजार अजय पार्क के नातिया व केरत का इनामी मुकाबले आयोजित हुआ। इस इनामी मुकाबले कार्यक्रम की अधिकारी अनुमंडल इलामिया के सदर हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी व भारतीय पुलिस पदाधिकारियों को नवनिर्मित दुकान में एक दुकान देने और पत्नी को आटोसोसिंग में नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया। लॉकिन कुड़ी लोग वारी पदाधिकारियों को बस स्टैंड पुलाक बात करने की जिद पर अड़ गये। जिसके बाद एसटीओं अमित कुमार, एसटीओं श्रद्धा केरकेट्टा ने परिजनों से बात की तब सभी माने करीब 4 बजे जाम खुला।

बरवाडीह में गांव चलें अभियान का आयोजन

सत्संग के माध्यम से मानव अपने कर्तव्य का करे निर्वहन : संत पंकज महाराज

आजाद सिपाही संचाददाता



सेन्हा/ लोहरदगा। जय गुरुदेव संत गंगा चंद्र के तत्वान्वयन में सेन्हा की धरती में मानव दिनचर्या बदलाव को लिया व सत्संग का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम जय गुरुदेव आश्रम मथुरा के द्वारा बाबा जयगुरुदेव के उत्तराधिकारी पूर्ण पंकज महाराज जी ने मान

धनबाद पहुंचे मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का हुआ भव्य स्वागत, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर 51 किलो का माला पहनाकर झामुमो कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत, मुख्यमंत्री ने कहा- हम पीछे हटने वालों में से नहीं हैं



मुख्यमंत्री सहित दिग्गज नेताओं के आगमन को लेकर चपै-चपै पर था कड़ा पहरा आजाद सिपाही संवाददाता धनबाद। राज्य के नये मुख्यमंत्री हवाईअड्डे पर भव्य स्वागत किया। चपै-सोरेन के रविवार को साथ ही हवाईअड्डे पर पुलिस के

धनबाद पहुंचने पर डीसी बरुण रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक हवाई पी जनार्दन, डीडीसी शशि प्रकाश सिंह ने बरवाअड्डा हवाईअड्डे से रणधार वर्मा स्टेडियम गोल्फ ग्राउंड मैदान पहुंचे। जहाँ पार्टी के 52वें स्थापना दिवस पर



जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। बताए चलें कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बरवाअड्डा हवाईअड्डे से रणधार वर्मा स्टेडियम गोल्फ ग्राउंड मैदान पहुंचे। जहाँ पार्टी के 52वें स्थापना दिवस पर



का दिल से स्वागत किया। लगे हाथ झामुमो जिला कमेटी की ओर से 51 किलो के फूल की माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंता करने की काई बात नहीं। केंद्र की भाजपा सरकार



के घड़चंत्र के बावजूद हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। पूरे झारखंड के कार्यकर्ता हमारे साथ हैं। झामुम एक मजबूत पार्टी है और आगे भी रहेंगी। अबुआ आवास सहित निकल गए। इश मौके पर राज्यसभा सदस्य महुआ माझी, केंद्रीय सदस्य नीलम मिशा और जिला महासचिव मनू आलम, जिला अध्यक्ष रत्नालाल दुड़ू केंद्रीय सदस्य लक्ष्मी मुरू धरपीधर मंडल आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

सीएम चंपाई सोरेन करेंगे गुरुजी के सपनों को साकार : महुआ माजी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि लोकप्रिय चंपाई सोरेन से नेतृत्व में खड़े हुए झारखंड में लेकिन हमें सोरेन ने जेल जाना पसंद किया विश्वास पर असंदिग्ध होने नहीं दिया। उन्होंने साथित किया कि वह शिवु सोरेन के बेटे मर्माहट है। भाजपा वाले खुद ही इसे गलत बता रहे हैं। अब नए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन गुरु जी के सपने को साकार करेंगे। पहली बार हो रहा है कि कई दशक के बाद हमें सोरेन हम लोगों के बीच उपस्थित नहीं हैं। हमें उमंदी है।

इस दौरान जेल का ताला टूटेगा हमें सोरेन बाहर निकलेंगे जैसे कर्क जोशीले नारे लगे। मौके पर सांसद विजय हांसदा ने कहा कि राज्य के स्थिर सरकार को अपितेश सदाचार, जिला सचिव मनू आलम मुकेश सिंह आदि हजारों कार्यकर्ता माजूद थे।

क्षेत्र में किसी भी प्रकार का गैर कानूनी कार्य बद्र्दशत नहीं करेंगे : विनोद रवानी

गिरिडीह (आजाद सिपाही)

विनोद कुमार रवानी ने रविवार को गिरिडीह सदर के एसटीपीओ के रूप में पदभार ग्रहण किया। निवेदित एसटीपीओ अनिल कुमार सिंह ने उन्हें प्रभार सौंपा। इसके बाद अनिल सिंह ने विनोद कुमार रवानी को बुके देकर बधाई दी। वहाँ, विनोद कुमार रवानी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सदर अनुमंडल क्षेत्र में विधिव्यवस्था स्थापित करना उनकी प्राथमिकता होगी। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का गैर कानूनी कार्य नहीं चलने दिया जावेगा। गैर कानूनी कार्य करने वालों और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायगी।



- राहुल गांधी के आगमन व उनके गुजराने वाले मार्गों पर थे
- सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम
- डीडीएसपी, बीडीआर, धाना
- फॉटो-सेल्पी के लिए उत्सक दिये समर्थक-लाग

आश्वासन: मासस जिला कमेटी की बैठक मासस को मौका मिला, तो धनबाद में होगा विकास : जगदीश रवानी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। माससवादी समन्वय समिति (मासस) जिला कमेटी की बैठक रविवार को पुगना बाजार के टेंपल रोड स्थित मासस के केंद्रीय कार्यालय में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता मासस जिला अध्यक्ष जिंदा पासवान और संचालन दिलाप महतो ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मासस के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व विधायक आनंद महतो के अलावा पार्टी के केंद्रीय कार्यकर्ता अध्यक्ष प्रत्याधी जिंदा पासवान रवानी उपरिथ तथा पूर्व विधायक आनंद महतो ने कहा कि वर्तमान में देश की आगामी राजनीति में भारी परिवर्तन के लक्षण देखे जा रहे हैं। महंगाई और बेरोजगारी समाजिक और परिवारिक संबंध दिन पर दिन टूटते जा रहे हैं। जिनता त्राहिमाम कर कहा कि किसी भी परिवर्तन का अगवा दस्ता युवा वर्ग ही होता है। विशेष नीतियों से पूरी तरह से माससवादी युवा योर्मा यह विश्वास त्रस्त है। वहाँ, जिंदा पासवान ने कहा कि धनबाद जिला की अवधारणा द्वारा योर्मा युवा योर्मा के साथ धनबाद में लड़ेगी। और पार्टी के जिलाध्यक्ष विकास के विवरण के लिए संघर्ष कर रहे हैं।



मासस की बैठक में उपरिथ वरिष्ठ नेता-पदाधिकारी।

से अवगत करायेगा। मौके पर मासस केंद्रीय सचिव चंद्रदेव महतो, दिल मोहम्मद, सुधाश चटर्जी, सुधाश महानगर अध्यक्ष रस्तम अंसारी, सचिव विजय पासवान, टूटन मुख्यमंत्री, मुमताज अंसारी, नरेश पासवान, मोहम्मद अंखरा, राणा चटर्ज, संतोष रवानी, हीरालाल महतो, मुकेशर महतो, देवी, ललिता देवी, राकेश सिंह, आरिफ अंसारी, सारथी मंडल, मनोज यादव, राकेश सिंह, अरविंद तिवारी, अजय महतो, मुमता यादव, राजेश विश्वास, भोला ताप्रकार, वेद प्रकाश सिंह, आजसू, इन्हीं विषयों को लेकर

जैनामोड़ और पेटरवार में राहुल गांधी का भव्य स्वागत



- राहुल गांधी के आगमन व उनके गुजराने वाले मार्गों पर थे
- डीडीएसपी, बीडीआर, धाना
- फॉटो-सेल्पी के लिए उत्सक दिये समर्थक-लाग

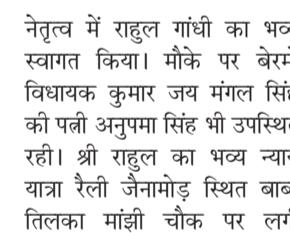
लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी। राहुल गांधी का स्वागत बोकारो के जायका हॉल में बोकारो जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़े थे। वहाँ पूर्व मंत्री सह स्वेच्छा कार्यकर्ता की नेतृत्व से बड़ी देखी जा रही है। बाबाएं चले कि कांग्रेस कार्यकर्ता व समर्थक प्रियों ने भी जिला दैरान द्वारा दिया गया विवाद नहीं रखा। राहुल गांधी की एक दिल में राहुल गांधी के नेतृत्व में विधायक विवाद नहीं रहा।

जैनामोड़, पेटरवार। भारत जोड़ा ने जिला दैरान द्वारा दिया गया विवाद किया। विनोद विवाद बाबू की ओर से जिला कांग्रेस कार्यकर्ता की नेतृत्व से बड़ी देखी जा रही है। बाबाएं चले कि कांग्रेस कार्यकर्ता व समर्थक प्रियों ने भी जिला दैरान द्वारा दिया गया विवाद नहीं रखा। राहुल गांधी की एक दिल में राहुल गांधी के नेतृत्व में विधायक विवाद नहीं रहा।

लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी। राहुल गांधी का स्वागत बोकारो के जायका हॉल में बोकारो जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़े थे। वहाँ पूर्व मंत्री सह स्वेच्छा कार्यकर्ता की नेतृत्व से बड़ी देखी जा रही है। बाबाएं चले कि कांग्रेस कार्यकर्ता व समर्थक प्रियों ने भी जिला दैरान द्वारा दिया गया विवाद नहीं रखा। राहुल गांधी की एक दिल में राहुल गांधी के नेतृत्व में विधायक विवाद नहीं रहा।

लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी। राहुल गांधी का स्वागत बोकारो के जायका हॉल में बोकारो जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़े थे। वहाँ पूर्व मंत्री सह स्वेच्छा कार्यकर्ता की नेतृत्व से बड़ी देखी जा रही है। बाबाएं चले कि कांग्रेस कार्यकर्ता व समर्थक प्रियों ने भी जिला दैरान द्वारा दिया गया विवाद नहीं रखा। राहुल गांधी की एक दिल में राहुल गांधी के नेतृत्व में विधायक विवाद नहीं रहा।

झारखंड के विकास के लक्ष्य को पूरा करने का आजसू ही एकमात्र विकल्प: सचिन महतो



- राहुल गांधी की आगमन व उनके गुजराने वाले मार्गों पर थे
- डीडीएसपी, बीडीआर, धाना
- फॉटो-सेल्पी के लिए उत्सक दिये समर्थक-लाग

लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी। राहुल गांधी का स्वागत बोकारो के जायका हॉल में बोकारो जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़े थे। वहाँ पूर्व मंत्री सह स्वेच्छा कार्यकर्ता की नेतृत्व से बड़ी देखी जा रही है। बाबाएं चले कि कांग्रेस कार्यकर्ता व समर्थक प्रियों ने भी जिला दैरान द्वारा दिया गया विवाद नहीं रखा। राहुल गांधी की एक दिल में राहुल गांधी के नेतृत्व में विधायक विवाद नहीं रहा।

लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी। राहुल



मुख्यमंत्री ने पहले विश्व उड़िया भाषा सम्मेलन का उद्घाटन किया एक उड़िया के रूप में मुझे गर्व है : नवीन पटनायक

● देवीप्रसन्न को पहला उड़िया भाषा सम्मान मिला है

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बदे उत्कल जननी गत के गायन के साथ उड़िया भाषा की अन-बन और शान उड़िया भाषा महोत्सव की शुरुआत किया गया। शनिवार को प्रथम विश्व ओड़िशा भाषा सम्मेलन का आयोजन जनता मैदान, भुवनेश्वर में किया गया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उड़िया भाषा जगत के कई प्रतिष्ठित लेखकों, साहित्यकारों और कवियों को उपस्थिति में इस भाषा महाकुंभ का शुभांशु किया। इसके साथ उड़िया भाषा के इतिहास में परिचय दिया है। अतीत, वर्तमान



भाषा सम्मेलन में उड़िया भाषा प्रमुखता प्राप्त कर रही है। ए से एल अध्यक्ष उड़िया भाषा का परिचय दिया है। अतीत, वर्तमान

और भविष्य को दर्शाता है। उड़िया भाषा और लिपि की उत्पत्ति और विकास को प्राचीन प्रस्तर के शिलालेखों, तांबे की प्लेटों, ताड़ियों की पत्तों, पोथी, कलिंग शैली की मंदिर वास्तुकला और ओडिशा के समृद्धी व्यापार से संबंधित कलाकृतियों के सुंदर चित्रों के

माध्यम से दिखाया गया है। ये सब नई पीढ़ी के लिए उड़िया भाषा के इतिहास के बारे में जानने का अवसर लेकर आये हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अदिक्षिका सारला दास को सम्मान देने के साथ उड़िया भाषा का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिष्ठित हसितों को सम्मानित किया गया। प्रथम वर्ष पुस्तकर से सम्मानित प्रोफेसर देवी प्रसान पटनायक ने कहा कि यह पुस्तकर उड़िया भाषा, साहित्य और संस्कृत का सम्मान है। हालांकि पहला उड़िया भाषा सम्मेलन भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। इसके अलावा, सम्मेलन ने 4 देशों के विद्यार्थियों सहित 100 से अधिक विद्यार्थियों को एक साथ लाया है। हजारों स्कूली छात्रों ने भाषा महाकुंभ का दौरा किया है।

छत्तीसगढ़ की षष्ठि विधानसभा का द्वितीय सत्र आज से प्रदेश के विकास की दिशा इस सत्र से तय होगी : डॉ रमन सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने रविवार को विधानसभा में पत्रकार वार्ता की। इस दीरांन उन्होंने आगामी बजट सत्र को लेकर जानकारी दी साथ ही छत्तीसगढ़ विधानसभा में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने की बात की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की षष्ठि विधानसभा का द्वितीय सत्र (बजट सत्र) 5 फरवरी से 1 मार्च तक आहूत किया गया है। छत्तीसगढ़ के षष्ठि विधानसभा का द्वितीय सत्र, नव वर्ष 2024 का प्रथम विधानसभा सत्र है। प्रोफेसर की नयी सरकार का बजट भी इस सत्र में प्रस्तुत होने जा रहा है और सरकार के बजट के अनुसार प्रदेश के विकास की दिशा तय होती है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में हम तकनीकों और कुछ नयी परंपराओं से जुड़ कर एक विकसित विधानसभा के रूप में अपनी पहचान स्थापित करें। छत्तीसगढ़ विधानसभा में हम सभी मिलकर प्रयास करें कि सदन को पेपरलेस बनाया जाये। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि छत्तीसगढ़ 2025 में 25 वर्ष का होने जा रहा है। इसमें अंतोदय की सभी चारों ओर जानकारी शामिल है। इस पैके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उड़िया भाषा की रक्षा करने और अनेक वाली पीढ़ियों के लिए प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में इस क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा करने के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास जारी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सभी भाषा बोलने वाले क्षेत्रों को एक साथ लाएगा और ओडिशा के विकास के भागीदार बनाना। पुस्तक का संबद्धन भाषा अंदेलान के संस्थानक परिवर्तन महरशा द्वारा किया गया है और इसे शब्दरूप प्रकाशन संस्था ने प्रकाशित किया है।

विधानसभा में डिजिटलीकरण

बाद वित्तीय वर्ष 2023-24 के तृतीय अनुपूरक अनुमान का उपस्थापन, चर्चा एवं पारण की कार्यवाही होगी। इसके पश्चात वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक पर सामान्य चर्चा एवं विधानवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। विधानवार अनुदान मांगों पर चर्चा एवं पारणी पहचान स्थापित करें।



विश्व उड़िया भाषा सम्मेलन के अवसर पर सोआ में 'बंदे उत्कल जननी' गाना



आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रथम विश्व ओडिशा भाषा सम्मेलन का उद्घाटन शनिवार के भुवनेश्वर के जननी मैदान में हुआ। 3 से 5 फरवरी तक यहां आयोजित होने वाले पहले विश्व उड़िया भाषा सम्मेलन के अवसर पर और राज्य सरकार के निमंत्रण पर शनिवार को शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (सोआ) में 'बंदे उत्कल जननी' गाया। इसके साथ ही योग्यता के कैंपस-5 स्थित स्टेटियम में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने भी ये गाने गये। इसमें ओडिशा के डीन प्रोफेसर ज्योति रंजन दास, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड

प्रोफेसर मंजुला दास, रेजिस्ट्रार प्रेसिडेंसी एवं उड़िया भाषा सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. गण्यवीर बाला पंड और सभी कर्मचारियों की उपस्थिति में 'बंदे उत्कल जननी' सोआ यूनिवर्सिटी के मुख्य कार्यालय में गाया। इसके साथ ही सोआ के कैंपस-5 स्थित स्टेटियम में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने भी ये गाने गये। इसमें ओडिशा के डीन प्रोफेसर ज्योति रंजन दास, और अस्पतालों के कर्मचारियों द्वारा भी गाया है।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने विधानसभा में भाषा आइन पुस्तक का विमोचन किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। उल्लेखनीय है कि इस पुस्तक के विधानसभा में 1948 में सारांशित भाषा अधिनियम के पारित होने और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा विधानसभा में भाषा अधिनियम 2018 के संसोधन तक की सभी चारों और जानकारी शामिल हैं। इस पैके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भाषा के सुधार के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि उड़िया भाषा की रक्षा करने और अनेक वाली पीढ़ियों के लिए प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में इस क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा करने के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास जारी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सभी भाषा बोलने वाले क्षेत्रों को एक साथ लाएगा और ओडिशा के विकास के भागीदार बनाना। पुस्तक का संबद्धन भाषा अंदेलान के संस्थानक परिवर्तन महरशा द्वारा किया गया है और इसे शब्दरूप प्रकाशन संस्था ने प्रकाशित किया है।

हस्तशिल्प परिधानों को बढ़ावा देनेवाली निकिता मेहरा ने खोला नजरिया आउटलेट

संबलपुर (आजाद सिपाही)। संबलपुर के सलाकानी, सिटी स्टेशन रोड, में इंटर्नटर्टमेंट डॉली और सजावट ब्रांड की हस्तशिल्प विकास संस्कृती सोआ का विद्युतीय विनियम के प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उड़िया भाषा की रक्षा करने और अनेक वाली पीढ़ियों के लिए हम प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में इस क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा करने के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास जारी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सभी भाषा बोलने वाले क्षेत्रों को एक साथ लाएगा और ओडिशा के विकास के भागीदार बनाना। इसका उद्देश्य भारतीय हस्तशिल्प परिधानों को बढ़ावा देना है। उन्होंने जानकारी दी कि भारतीय बुकरों और कारपारों को बढ़ावा देने वाली निकिता मेहरा, जो ऐपेंस में बकाल है, ने फैशन उद्यमों बींचा है।



उड़िया के विकास के लिए सभी के सहयोग की जरूरत

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। उड़िया ने छठी भारतीय भाषा के रूप में शास्त्रीय दर्जा हासिल कर लिया है। इस भाषा को विकसित करना सभी का दायित्व है। वकालों का मानना है कि रविवार के बाहर उड़िया भाषा, विद्यालय एवं संस्कृत में योग्यता नाया देखा जाए। इसके साथ ही योग्यता के रूप में प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उड़िया भाषा की रक्षा करने और अनेक वाली पीढ़ियों के लिए हम प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में इस क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा करने के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास जारी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सभी भाषा बोलने वाले क्षेत्रों को एक साथ लाएगा और ओडिशा के विकास के भागीदार बनाना। इसका उद्देश्य भारतीय हस्तशिल्प परिधानों को बढ़ावा देना है। उन्होंने जानकारी दी कि भारतीय बुकरों और कारपारों को बढ़ावा देने वाली निकिता मेहरा, जो ऐपेंस में बकाल है, ने फैशन उद्यमों बींचा है।

सरकार ने इस तीन दिवसीय विश्व उड़िया भाषा सम्मेलन के अवसर पर शिक्षा और अनुसंधान (सोआ) में उड़िया भाषा, साहित्य और संस्कृत में एक मजबूत विरासत और चारों ओर रविवार के दो दिवसीय चारों कार्यक्रम शुरू कर दिया है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ओडिशा सरकार के उद्योगी पुजारी ने कहा कि राज्य कर्मसूल करने और उन्हें इस पर गर्व करने के लिए सभी कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए उत्कृष्ण की गयी थी। मंत्री पुजारी न